आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 156 | उज्जैन, मंगलवार 29 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्रदेश का हर कोना औद्योगिक उन्नति की धारा से जुड़े- मुख्यमंत्री

कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला स्वावलम्बन पर केंद्रित गतिविधियों का भी हो आयोजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 के संकल्प को साकार करने के लिए सभी विभागों और एजेंसियों को समन्वित प्रयास करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्ष-भर के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम कैलेंडर के अनुसार सभी गतिविधियों का कुशलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित कर हर माह इनकी प्रगति की गहन समीक्षा करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में उच्च-स्तरीय बैठक में उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 में प्रस्तावित कार्यक्रमों और गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक आयोजन प्रदेश के संतुलित और समावेशी औद्योगिक विकास की दिशा में ठोस कदम साबित हो, ऐसे प्रयास किये जायें। उन्होंने कहा कि सेक्टर कॉन्क्लेव जैसे प्रमुख आयोजन उन्हीं स्थलों पर आयोजित किए जाएं, जहां औद्योगिक गतिविधियां स्वाभाविक रूप से संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन केवल जिलों के मुख्यालयों तक सीमित नहीं रहें, बल्कि सुदूर अंचलों और औद्योगिक संभावना वाले क्षेत्रों में भी उनका विस्तार किया जायें, जिससे प्रदेश का हर कोना औद्योगिक उन्नति की धारा से जुड़ें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन क्षेत्रों की ओर भी विशेष ध्यान दे, जहाँ औद्योगिक गतिविधियां अपेक्षाकृत धीमी रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों में सेक्टर-केंद्रित आयोजनों और विशेष प्रयासों के माध्यम से औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की प्रक्रिया को तीव्र गति से किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सक्रिय औद्योगिक क्षेत्रों में उपलब्ध ऊर्जा और संसाधनों का उपयोग करते हुए अन्य क्षेत्रों में भी औद्योगिक वातावरण का विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को कृषकों के हित में डिजाइन किया जाए, ताकि सौर ऊर्जा उनकी आय में वृद्धि का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन सके। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला सशक्तिकरण के लिए भी स्व-सहायता समूह की गतिविधियों पर आधारित कार्यक्रम किये जाए जिससे अधिक से अधिक महिलाएं स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बने और प्रदेश के विकास में सहयोगी बन सकें। कृषि से जुड़े प्रत्येक आयोजन में सौर ऊर्जा एवं सौर पम्प के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए तथा कृषकों को इस संबंध में संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाए।

खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ने का समय, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि अब किसानों को सिर्फ उत्पादक होने से ऊपर उठना होगा। राष्ट्रीय कृषि एजेंडे के लिए खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ने का समय आ गया है।

धनखड़ इस समय दो दिवसीय तमिलनाडु के दौरे पर

धनखड़ इस समय दो दिवसीय तमिलनाडु के दौरे पर हैं। यहां रविवार को वे तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) में एक व्याख्यान समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि और टीएनएयू के अधिकारी मौजूद थे। टीएनएयू में विकसित भारत के लिए कृषि-शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना... विषय पर छात्रों और अन्य लोगों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने आगे कहा कि भारत में 46 प्रतिशत आबादी कृषि से जुड़ी हुई है बावजूद इसके यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में केवल 16 प्रतिशत का योगदान देता है।

सकल घरेलू उत्पाद को लेकर कही ये बात - ऐसे में टीएनएयू जैसे संस्थानों को कृषि विज्ञानी दिवंगत डा एमएस स्वामीनाथन की विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे सकल घरेलू उत्पाद में इस क्षेत्र के द्वारा होने वाले योगदान में बढ़ोतरी हो सके।

अरुणाचल प्रदेश में सुरक्षा बलों ने तीन उग्रवादियों को किया ढेर, मजदूरों को बचाने के लिए चलाया था ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले के पंगचाओ क्षेत्र से दो निर्माण मजदूरों के अपहरण के आरोप में एनएससीएन (केवाईए) समूह के तीन उग्रवादियों को ढेर कर दिया गया। एक मजदूर के बचा लिया गया है।

उग्रवादियों ने दो निर्माण श्रमिकों का अपहरण कर लिया गया था- मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अमित शुक्ला ने बताया कि 25 अप्रैल की रात को लोंगडिंग के पंगचाओ क्षेत्र से दो निर्माण श्रमिकों का अपहरण कर लिया गया था।

भारतीय सेना और असम राइफल्स ने चलाया अभियान- भारतीय सेना और असम राइफल्स के जवानों ने 27 अप्रैल को पंगचाओ क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। इस दौरान एनएससीएन (केवाईए) समूह के तीन उग्रवादियों को ढेर कर दिया। उग्रवादियों के पास से गोला-बारूद के साथ चार हथियार बरामद किए गए है।

भारत को मिलने वाला है शक्तिशाली Rafale-M विमान; फ्रांस से हो गई डील साइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते लगातार बिगड़ रहे हैं। ऐसे में भारत रक्षा के क्षेत्र में खुद को मजबूत करने में जुटा है। इसी कड़ी में भारत और फ्रांस के बीच ऐतिहासिक राफेल डील साइन हो चुकी है। इस समझौते के तहत भारत, फ्रांस से 26 राफेल मरीन विमान खरीदेगा, जिसमें 22 सिंगल सीटर विमान और 4 डबल सीटर विमान शामिल होंगे।

भारत और फ्रांस के रक्षा मंत्रियों के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हथियारों के खरीद के मामले में यह भारत की फ्रांस के साथ अब तक की सबसे बड़ी डील है, जिसकी कीमत लगभग 63,000 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

पहले इस सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु को रविवार को भारत आना था, लेकिन निजी कारणों से उनकी यात्रा रद कर दी गई है। हालांकि, वह अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ वार्ता में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये शामिल हुए। नई दिल्ली में हुए इस समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ भी उपस्थित रहे।

राफेल मरीन विमानों को INS विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। फ्रांस की विमान कंपनी दसॉ एविएशन भारत की जरूरत के हिसाब से इन विमानों में कुछ बदलाव करेगी।

ब्रिटिश विदेश मंत्री ने जयशंकर और इशाक डार से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अपने ब्रिटिश समकक्ष डेविड लैमी को आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टालरेंस की नीति से अवगत कराया और पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के सीमा पार संबंधों पर चर्चा की।

ब्रिटिश विदेश मंत्री ने तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया- आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के संबंधों में गंभीर तनाव के बीच लैमी ने पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार से भी बातचीत की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ब्रिटिश विदेश मंत्री ने तनाव कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। पहलगाम में हुए भीषण हमले के पीछे सीमा पार संबंधों का हवाला देते हुए भारत ने इस हमले में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने की बात कही है। ब्रिटिश विदेश मंत्री के साथ फोन पर बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा कि उन्होंने आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता के महत्व को रेखांकित किया।

डार पाकिस्तान के विदेश मंत्री भी हैं - दूसरी तरफ, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उपप्रधानमंत्री डार ने लैमी से बात की और क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के पाकिस्तान के अटूट संकल्प को दोहराया। डार पाकिस्तान के विदेश मंत्री भी हैं। पहलगाम में बैसरन में हुए आतंकी हमले के विरोध में लोगों का आक्रोश कम नहीं हो रहा है।

असम में केवल एक ही पाकिस्तानी, CM हिमंता ने गौरव गोगोई पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को एक बार फिर कांग्रेस के लोकसभा में डिप्टी लीडर गौरव गोगोई पर पाकिस्तान से कथित रिश्तों को लेकर हमला बोला। इस बयान के बाद विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री सरमा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, असम में हमारे पास केवल एक पाकिस्तानी नागरिक है। वह यहां के एक स्थानीय परिवार में ब्याही गई हैं और सुखी ज़िले में रहती हैं। लेकिन वह मूल रूप से पाकिस्तान से हैं और उन्होंने लंबी अवधि के वीजा (एलटीवी) के लिए आवेदन किया है।

निष्पक्ष जांच की पाकिस्तानी मांग के समर्थन में चीन, भारत नहीं करेगा स्वीकार दिखाए सख्त तेवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सख्त होते तेवर के बाद पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय फलक पर पूरे हमले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर लॉबिंग हो रही है।

चीन और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच हुई बात

पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तरफ से शनिवार को यह मांग उठी थी। उसके बाद रविवार को चीन और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच हुई वार्ता में इस्लामाबाद की तरफ से यह मांग की गई जिसका चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने समर्थन किया है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रूसी सरकार की एक न्यूज एजेंसी को साक्षात्कार में रूस व चीन को मिलाकर पहलगाम हमले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। लेकिन भारत इस मांग को किसी भी सूरत में स्वीकार करने नहीं जा रहा है। भारत इसे हल्का और सिर्फ बयानबाजी मानता है।

भारत ने कही ये बात - विदेश मंत्रालय की तरफ से न तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शरीफ के बयान पर कोई प्रतिक्रिया जताई गई है और न ही पाकिस्तान व चीन के विदेश मंत्रियों की वार्ता के बाद जारी बयानों पर।

लेकिन विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने बताया, यह सिर्फ बयानबाजी है। जिस देश ने मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं के विरुद्ध कोई कदम नहीं उठाया, पठानकोट हमले की संयुक्त जांच के बाद दर्ज एफआइआर पर कोई प्रगति नहीं हुई, उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जा सकता।

पहलगाम हमले की निष्पक्ष जांच की मांग चाहता है भारत - पहलगाम हमले की निष्पक्ष जांच की मांग से पहले पाकिस्तान को यह बताना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित मुंबई हमले के दोषी आतंकियों को सजा दिलाने के लिए क्या किया गया है। पूरी दुनिया को मालूम है कि वे आतंकी पाकिस्तान में ही हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार के साथ चीनी विदेश मंत्री वांग यी की हुई फोन वार्ता के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। दोनों पक्षों को अत्यधिक संयम बरतने की बात करते हुए मामले की तत्काल निष्पक्ष जांच कराने का समर्थन किया गया है।

सब्र से काम लें मियां, पाक PM शहबाज को बड़े भाई ने दी युद्ध से दूर रहने की सलाह

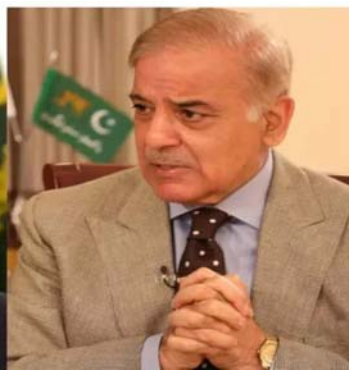

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान में तनाव की स्थिति उत्पन्न है। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले में मारे गए लोगों का बदला लेने की बात कही है। तो उधर, पाक में भी हलचल तेज है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ समेत कई नेता भारत के खिलाफ आग उगलने वाले बयान दे चुके हैं, जिसके बाद अब पूर्व पीएम शहबाज शरीफ की एंट्री हुई है। जिन्होंने अपने छोटे भाई शहबाज को खास सलाह दी है।

सिंधु जल संधि टूटने के बाद पाक में हलचल- दरअसल, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को पीएमएल-एन के अध्यक्ष नवाज शरीफ को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी दी।

यह बैठक कश्मीर के पहलगाम इलाके में आतंकवादी हमला होने के चलते भारत द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करने के बाद हुई थी।

शहबाज को राजनयिक विकल्प ढूंढने की सलाह- शहबाज शरीफ ने नवाज से उनके पारिवारिक आवास जति उमरा में मुलाकात की। इस दौरान पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी मौजूद थीं। शहबाज ने बड़े भाई नवाज को किसी भी मुश्किल स्थिति में सेना की तैयारी के बारे में जानकारी दी।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पीएमएल-एन के एक सूत्र ने बताया कि नवाज शरीफ चाहते हैं कि उनकी सरकार दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच शांति बहाल करने के लिए कदम उठाए। उन्होंने शहबाज को भी सब्र से काम लेने को कहा है।

आक्रामक रुख नहीं अपनाना चाहते नवाज - नवाज ने शहबाज को सभी उपलब्ध राजनयिक विकल्पों का उपयोग करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि नवाज आक्रामक रुख अपनाने के इच्छुक नहीं हैं।

उधर, प्रधानमंत्री शहबाज ने अपने बड़े भाई से कहा कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आईडब्ल्यूटी को निलंबित करने के भारत के एकतरफा फैसले ने क्षेत्र में युद्ध के जोखिम को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन देश की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

पहलगाम हमले के बाद भारत के एक्शन से खौफ में पाक, पहले चीन और अब रूस से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम अटैक के बाद भारत की ओर से सिंधु नदी समझौता सस्पेंड किए जाने पर पाकिस्तान घबराया हुआ है। भारत की ओर से किसी तरह की सैन्य कार्रवाई की संभावनाओं के बीच पाकिस्तान मदद दूसरे देशों से मदद मांग रहा है। ऐसे में वह कभी चीन की तरफ तो कभी सऊदी अरब और कभी ब्रिटेन की ओर देख रहा।

इस बीच चीन का भी रिएक्शन सामने आया है। चीन ने पहलगाम आतंकी

हमले की तेज और निष्पक्ष जांच का एलान किया है। पहलगाम हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है। चीन ने भारत के साथ इस्लामाबाद के बढ़ते तनाव के बीच अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा करने में अपने सदाबहार सहयोगी पाकिस्तान के प्रति समर्थन व्यक्त किया है।

चीन ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री से की बात- रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को पाकिस्तानी उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। रिपोर्ट के मुताबिक, डार ने वांग को कश्मीर क्षेत्र में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच चल रहे तनाव के बारे में जानकारी दी।

चीन घटना पर बारीकी से रख रहा नजर- रिपोर्ट के मुताबिक, वांग ने कहा कि चीन घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है। वांग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं।

अमेरिका के कॉलेज में गोलीबारी से हड़कंप, 1 छात्र की मौत और 5 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना स्थित कॉलेज में एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं, 6 अन्य लोगों के घायल होने की खबर है। इस घटना के बाद पूरे कॉलेज में सनसनी फैल गई और कॉलेज को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है।

यह घटना एलिजाबेथ सिटी के विश्वविद्यालय की है। जहां यार्ड फेस्ट के दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। इस घटना के बाद पूरी यूनिवर्सिटी में भगदड़ मच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल नॉर्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी के परिसर में यार्ड फेस्ट चल रहा था। ब्लैक यूनिवर्सिटी में आयोजित यह फेस्ट हफ्ते भर चलता है। हालांकि, फेस्ट के आखिरी दिन ही यहां गोलीबारी की घटना देखने को मिली। इस गोलीबारी में एक 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई।

1 की मौत 6 घायल- मृतक यूनिवर्सिटी का छात्र नहीं था। अभी तक उसकी पहचान उजागर नहीं की गई है। पुलिस ने मृतक के परिवार को सूचित किया है। गोलीबारी से 3 छात्र समेत 4 लोग भी घायल हुए हैं। इसी कड़ी में भगदड़ के दौरान 2 अन्य छात्रों को भी चोटें आई हैं।

हिजबुल्ला की कमर तोड़ने पर अड़ा इजरायल, युद्धविराम के बाद तीसरी बार बेरूत पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली जेट विमानों ने रविवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर हमला बोला। नवंबर के अंत में युद्धविराम लागू होने के बाद से क्षेत्र पर यह तीसरा इजरायली हमला है। हताहतों की तत्काल कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बना रही इजरायली सेना- इजरायली सेना ने हमले से पहले जारी चेतावनी में कहा कि वह हदथ क्षेत्र में हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाने जा रही है। निवासियों से हमले से पहले उस ठिकाने से कम से कम 300 मीटर दूर जाने का आग्रह किया गया। अल जमूस के पास हमले से पहले लेबनानी राजधानी के कुछ हिस्सों में लड़ाकू विमानों की आवाज सुनी गई।

हिजबुल्ला को अपने क्षेत्र में व्यापक प्रभाव और समर्थन

युद्धविराम से पहले इजरायली ड्रोन और लड़ाकू जेट नियमित रूप से दक्षिणी उपनगरों पर हमला करते थे। यहां हिजबुल्ला का व्यापक प्रभाव और समर्थन है। इजरायल उस क्षेत्र को उग्रवादी गढ़ के रूप में देखता है, जहां उसने प्रमुख हसन नसरल्ला सहित हिजबुल्ला के कई शीर्ष नेताओं की हत्या की है और समूह पर वहां हथियार जमा करने का आरोप लगाता रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दुनिया के कई शहरों में प्रदर्शन, पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर भारत और पाकिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया। भारतवंशियों ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर शुक्रवार को पाकिस्तान दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया था। इसके जवाब में पाकिस्तानी भारतीय उच्चायोग के बाहर पहुंच गए।

पाकिस्तानियों ने भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया- सूचना मिलने पर भारतीयों ने भी वहां पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।एक भारतीय प्रवासी ने बताया, पाकिस्तानियों ने भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। हम उनके विरोध का मुकाबला करने के लिए एकजुटता के साथ यहां जुटे हैं। हम सभी शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे हैं।

भारतवंशियों ने शांतिपूर्ण विरोध जताया- भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने कहा, कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा भारतीय उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन की घोषणा के बाद भारतवंशियों ने शांतिपूर्ण विरोध जताया। हमें उम्मीद है कि भारत सरकार पाकिस्तान को उसकी समझ में आने वाली भाषा में जवाब देगी।

पहलगाम आतंकी हमले के लेकर दुनिया के कई शहरों में प्रदर्शन- पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए दुनिया के कई शहरों में प्रदर्शन किया गया। फ्रांस में भारतीय प्रवासियों ने रविवार को एफिल टावर के पास प्लेस डू ट्रोकाडेरो में प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लिए भारतीय समुदाय के सदस्यों ने तिरंगा लहराते हुए उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सख्त संदेश दिया।

प्रदर्शनकारियों ने आतंकी गतिविधियों को पनाह देने और उनका समर्थन करने के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया।

लंदन में पहलगाम हमले को लेकर भारत-पाकिस्तान के लोग आमने-सामने, उच्चायोग के बाहर जमकर हुई नारेबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में पहलगाम हमले को लेकर विरोध जारी है। लंदन में भारतीय समुदाय और प्रवासी प्रतिनिधियों की एक बड़ी संख्या पाकिस्तानी प्रदर्शन का मुकाबला करने के लिए भारतीय उच्चायोग में उतरी, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय दुष्प्रचार के रूप में ब्रांडेड किया गया था।

भारत माता की जय और वंदे मातरम का नारा लगाते हुए और भारतीय तिरंगा लहराते हुए, भारत समर्थक प्रदर्शनकारियों की संख्या रविवार शाम को इंडिया हाउस के सामने सड़क के पार ब्रिटिश पाकिस्तानियों के छोटे समूह से अधिक थी।

पुलिस भी थी मौजूद- भारत समर्थक प्रदर्शनकारियों की संख्या रविवार शाम को इंडिया हाउस के सामने सड़क के पार ब्रिटिश पाकिस्तानियों के छोटे समूह से अधिक थी। वहां मेट्रोपॉलिटन पुलिस भी मौजूद थी, जो यह सुनिश्चित करने के लिए पहरे पर थे कि दोनों समूह एक-दूसरे पर अपमानजनक टिप्पणियां करते समय एक-दूसरे से दूर रहें।

जलाई गई मोमबत्ती- बाद में, ब्रिटिश भारतीय समूहों द्वारा 22 अप्रैल के आतंकी हमले के पीड़ितों को याद करने के लिए पिकाडिली सर्कस में मोमबत्ती जलाई गई, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। मैनचेस्टर, स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग और उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट सहित ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सों में भारतीय प्रवासी समूहों द्वारा इसी तरह के पहलगाम पर सभी की निगाहें विरोध और जागरण का आयोजन किया गया है, ताकि पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी संगठनों को कथित समर्थन की निंदा की जा सके।

ट्रंप के 100 दिन: फैसलों ने मचाई दुनिया में हलचल, टैरिफ वार से अपने हुए खफा; अमेरिका ने यूक्रेन का छोड़ा साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में 100 दिन पूरे हो गए हैं। वह अमेरिका के ऐसे राष्ट्रपति हैं जिन्होंने अभूतपूर्व टैरिफ वार शुरू किया, अमेरिका की विदेशी सहायता में कटौती की, नाटो सहयोगियों की निंदा की, यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर रूस के दृष्टिकोण से सहमति जताई और ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने, पनामा नहर को वापस लेने व कनाडा को 51वां राज्य बनाने का इरादा जताया।

इन अराजक सौ दिनों में उन्होंने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था के कुछ हिस्सों को उलट दिया है जिसे अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनाने में मदद की।

ट्रंप अब आठ वर्ष पहले की तुलना में कहीं अधिक कट्टरपंथी- ट्रंप के पहले कार्यकाल में ईरान और वेनेजुएला पर विशेष अमेरिकी दूत नियुक्त किए जाने से पहले राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और जार्ज डब्ल्यू. बुश के अधीन काम कर चुके इलियट अब्राम्स ने कहा, ट्रंप अब आठ वर्ष पहले की तुलना में कहीं अधिक कट्टरपंथी हैं। मैं हैरान हूं। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के अमेरिका फ?र्स्ट एजेंडे ने दोस्तों को अलग-थलग कर दिया है और विरोधियों को प्रोत्साहित किया है। साथ ही सवाल उठे हैं कि वह कहां तक जाने को तैयार हैं।

रणवीर इलाहबादिया को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, विदेश जाने के लिए वापस मिलेगा पासपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट से पॉडकास्टर रणवीर इलाहबादिया को बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने काम के सिलसिले में विदेश यात्रा करने के लिए रणवीर का पासपोर्ट लौटाने की अनुमति दे दी है।

जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने असम और महाराष्ट्र सरकारों द्वारा रणवीर के खिलाफ जांच पूरी होने की बात कहने के बाद शर्त में ढील दी है। पीठ ने इलाहबादिया से कहा कि वह अपना पासपोर्ट लौटाने के लिए महाराष्ट्र साइबर पुलिस ब्यूरो से संपर्क करें।

एक साथ सभी FIR पर सुनवाई का होगा विचार- शीर्ष अदालत ने इलाहबादिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ से यह भी कहा कि वह उनके मुवक्किल के खिलाफ दर्ज एफआईआर को एक साथ जोड़ने और अगली सुनवाई पर इसे एक जगह लाने की उनकी प्रार्थना पर विचार करेगी।

पहले गिरफ्तारी से मिली थी राहत - इससे पहले 18 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहबादिया को एक यूट्यूब शो के दौरान उनकी टिप्पणियों को लेकर दर्ज कई एफआईआर में गिरफ्तारी से राहत दी थी और उन्हें अपना पासपोर्ट ठाणे के पुलिस स्टेशन नोडल साइबर पुलिस के जांच अधिकारी के पास जमा करने का निर्देश दिया था।

शीर्ष अदालत ने 3 मार्च को इलाहबादिया को अपने पॉडकास्ट द रणवीर शो को फिर से शुरू करने की अनुमति दी, बशर्ते कि वह नैतिकता और शालीनता बनाए रखे और इसे सभी उम्र के दर्शकों के लिए उपयुक्त बनाए।

कोर्ट ने रोक दिया था पोडकास्ट- बीयरबाइसेप्स के नाम से मशहूर इलाहबादिया पर कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट पर माता-पिता और सेक्स पर की गई टिप्पणियों के लिए मामला दर्ज किया गया था।

कौन हैं IAS स्मिता सभरवाल? जिनका AI की घिबली फोटो शेयर करने के बाद हुआ ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना कैडर की आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल का तबादला कर दिया गया है। स्मिता कुछ दिनों पहले ही एआई की तस्वीर शेयर करके विवादों में आईं थीं। इस घटना को अभी 1 महीने भी नहीं बीते कि तेलंगाना सरकार ने 20 अधिकारियों का तबादला कर दिया और इस लिस्ट में स्मिता सभरवाल का नाम भी शामिल है।

तेलंगाना पुलिस ने जारी किया था नोटिस- हाल ही में स्मिता को एआई तस्वीर शेयर करने के लिए तेलंगाना पुलिस ने नोटिस जारी किया था। इस दौरान स्मिता का कहना था कि उन्हें विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है। स्मिता की इस पोस्ट को 2,000 से ज्यादा लोगों ने दोबारा शेयर किया था। ऐसे में स्मिता ने सवाल उठाए थे कि क्या रीशेयर करने वाले 2,000 लोगों के खिलाफ भी पुलिस यही कदम उठाएगी?

बता दें कि स्मिता सभरवाल वर्तमान में युवा उन्नति, पर्यटन और संस्कृति की मुख्य सचिव हैं। साथ ही वो पुरातत्व निदेशक भी हैं। हालांकि, अब उन्हें तेलंगाना के वित्त आयोग में सदस्य सचिव नियुक्त कर दिया गया है।

मेरे शब्दों की गलत व्याख्या की गई, पहलगाम हमले पर विवादित बयान के बाद क्या बोले रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले पर बयान देने के बाद से रॉबर्ड वाड्रा सवालों के कठघरे में हैं। उन्होंने मुसलमानों को कमजोर बताते हुए इस हमले की वजह बीजेपी की हिन्दुत्व वादी नीति को ठहराया था, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर विवाद शुरू हो गया। वहीं, अब रॉबर्ड वाड्रा ने अपने बयान पर सफाई पेश की है।

फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। लोग उनके बयान का पूरा मतलब नहीं समझ पाए। उन्होंने साफ किया है कि पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या किसी मायने में सही नहीं थी।

फेसबुक पोस्ट में रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि - मैं ये शब्द पूरी ईमानदारी और सच्चाई के साथ लिख रहा हूं। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इन्हें उसी ईमानदार भावना के साथ ग्रहण करें, जिस भावना से ये लिखे जा रहे हैं। यह स्पष्ट है कि मैंने जो कुछ साझा किया, उसे उसके संपूर्ण संदर्भ में ठीक तरह से नहीं समझा गया। चूंकि मेरे इरादों की गलत व्याख्या की गई, इसलिए मैं समझता हूं कि उन्हें स्पष्ट करना मेरी जिम्मेदारी है।

रॉबर्ट वाड्रा का कहना है कि मैंने कुछ दिन मौन रहकर इंतजार करने का फैसला किया, लेकिन इसे खामोशी, उदासीनता या देशभक्ति की कमी न समझा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ नई याचिका पर सुनवाई करने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वो 100 याचिकाओं को एंटरटेन नहीं करेंगे। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिकाकर्ता सैयद अली अकबर के वकील से कहा कि वे लंबित पांच मामलों में हस्तक्षेप आवेदन दायर करें, जिन पर अंतरिम आदेश पारित करने के लिए 5 मई को सुनवाई होगी। सीजेआई ने कहा, आप इसे वापस ले लें, हमने 17 अप्रैल को एक आदेश पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि केवल पांच याचिकाओं पर ही सुनवाई होगी।

कोर्ट ने क्या कहा- 17 अप्रैल को, पीठ ने अपने समक्ष कुल याचिकाओं में से केवल पांच पर सुनवाई करने का फैसला किया और मामले का शीर्षक रखा। इन री वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), जमीयत उलमा-ए-हिंद, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके), कर्नाटक राज्य एयूक्यूएएफ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अनवर बाशा (वकील तारिक अहमद द्वारा प्रतिनिधित्व), कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद सहित लगभग 72 याचिकाएं कानून के खिलाफ दायर की गई थीं।

कब होगी अगली सुनवाई- तीन वकीलों को नोडल वकील नियुक्त करते हुए, पीठ ने वकीलों से आपस में तय करने को कहा कि कौन बहस करने जा रहा है। याचिकाकर्ताओं को सरकार के जवाब की सेवा के पांच दिनों के भीतर केंद्र के जवाब पर अपने जवाब दाखिल करने की अनुमति दी गई।

पाकिस्तानी आतंकवाद का नया चेहरा आया सामने, 5 लाख लड़कियां भारत में, पहलगाम अटैक पर निशिकांत दुबे का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने पाकिस्तान पर हमला बोला है। उन्होंने X पर पोस्ट कर कहा कि पाकिस्तान से संबंधित आतंकवाद का एक नया चेहरा अब सामने आया है। निशिकांत दुबे ने पाकिस्तानी लड़कियों के मुद्दे को उठाया जो शादी के बाद भारत आई हैं। लेकिन अभी तक उन्हें भारतीय नागरिकता नहीं मिली है।

भाजपा सांसद ने कहा, पाकिस्तानी आतंकवाद का एक नया चेहरा अब सामने आया है। 5 लाख से अधिक पाकिस्तानी लड़कियां शादी करने के बाद भारत में रह रही हैं, लेकिन उन्हें आज तक भारतीय नागरिकता नहीं मिली है। इन दुश्मनों से कैसे लड़ा जाए जो अंदर घुस आए हैं? ये स्थिति एक गंभीर खतरे की ओर इशारा कर रही है।

यह बयान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 27 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से दीर्घकालिक, राजनयिक और आधिकारिक वीजा को छोड़कर पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी श्रेणियों के वीजा रद कर दिए थे।

इससे पहले रविवार को अटारी सीमा पर एक प्रोटोकॉल अधिकारी अरुण पाल ने कहा कि रविवार को अल्पकालिक वीजा धारकों के लिए समय सीमा समाप्त होने के बाद पिछले तीन दिनों में कुल 537 पाकिस्तानी नागरिक अटारी सीमा के माध्यम से भारत छोड़ चुके हैं।

850 भारतीय नागरिक लौटे भारत - एएनआई से बात करते हुए पाल ने कहा कि पिछले तीन दिनों में 850 भारतीय नागरिक भारत लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि अकेले रविवार को 237 पाकिस्तानी नागरिक अपने देश लौट गए, जबकि 116 भारतीय नागरिक वापस आए हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बैसरन मैदान में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ। यह 2019 के पुलवामा हमले के बाद से इस क्षेत्र में सबसे घातक हमलों में से एक था, जिसमें 40 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की जान चली गई थी।

भारत में डॉन समेत 16 बड़े पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल बैन, सरकार ने BBC को भी दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ लगातार कड़े एक्शन ले रही है। अब मोदी सरकार ने एक और कड़ा फैसला लिया है। अब केंद्र ने पाकिस्तान के कई बड़े यूट्यूब चैनल बैन कर दिए हैं।

गृह मंत्रालय की सिफारिशों पर सरकार ने भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ झूठे, भ्रामक बयान और गलत सूचना प्रसारित करने के लिए ये फैसला लिया है। डॉन न्यूज, समा टीवी, जियो न्यूज सहित 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह जानकारी एक अधिकारी की तरफ से दी गई है।

सरकार ने क्यों उठाया ये कदम- अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री के साथ-साथ झूठे और भ्रामक बयान प्रसारित करने के लिए 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक कर दिया गया है। सरकार ने पहलगाम त्रासदी पर अपनी रिपोर्टिंग में आतंकवादियों को उग्रवादी कहने पर बीबीसी को एक चेतावनी भी जारी की है।

पहलगा अटैक के बाद से भारत पाकिस्तान के लिए ताबड़तोड़ फैसले ले रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में भारत ने सिंधु जल समझौते को रोकने का फैसला लिया था।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि भारत ने सिंधु जल समझौते को फिलहाल रोकने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत-पाकिस्तान संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है।

48 घंटे में भारत छोड़ने का निर्देश- इसके साथ ही, सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क के तहत जारी किए गए सभी वीजा छूट रद करने का फैसला भी किया है। इसके अलावा भारत में मौजूद पाकिस्तानी दूतावास को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वितिया

संपादकीय

भारत को पृथ्वी का सबसे बड़ा आध्यात्मिक महाकुंभ कहा जाता है

वैश्विक स्तरपर भारत को पृथ्वी का सबसे बड़ा आध्यात्मिक महाकुंभ कहा जाता है, ऐसे विचार मैंने अनेकों बार बड़े बुजुर्गों से सुने हैं परंतु वर्तमान समय में हम देख रहे हैं कि कैसे बड़े-बड़े धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन भारत में होते रहते हैं, जिसका सबसे बड़ा सटीक उदाहरण हमने अभी महाकुंभ के रूप में देखा जिसनें पूरी दुनियाँ में एक मिसाल कायम की है,हमारे बड़े बुजुर्गों का आदि अनादि काल से कहना रहा है कि जब- जब पृथ्वी पर अन्याय अत्याचार व पापों का सैलाब आता है तो ऊपर वाला किसी ने किसी रूप में अवतरित होकर उन पापियों अत्याचार्यों का दमन करने आते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 29 अप्रैल 2025 को ऐसे ही एक अवतार भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम के रूप में हुआ था, इसीलिए ही इस न्याय के देवता की जयंती इस दिन बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है, वैसे इस दिन अक्षय तृतीया भी होती है परंतु इस वर्ष 2025 में अक्षय तृतीया 29 या 30 दोनों दिन मनाने की खबरें आ रही है।चूँकि भगवान परशुराम ने समाज में एकता समरसता का संदेश दिया है जो उनकी जयंती का महत्वपूर्ण पहलू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम जयंती महोत्सव 29 अप्रैल 2025, परशुराम ने धरती पर अन्याय व अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई थी यह पूरी जानकारी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से ली गई है व इसकी सटीकता का प्रमाण नहीं है परंतु आदि अनादि काल से यह रीत चली आ रही है।

साथियों बात अगर हम भगवान परशुराम के जीवन को जानने की करें तो, उन्होंने एकता का सूत्र संसार को दिया है। सभी जाति और समाजों में समरसता का संदेश दिया है। भारतीय वाड्मय में सबसे दीर्घ जीवी चरित्र परशुराम जी का है। सतयुग के समापन से कलयुग के प्रारंभ तक उनका उल्लेख मिलता है। भगवान परशुराम जी के जन्म समय को सतयुग और त्रेता का संधिकाल माना जाता है। भारतीय इतिहास में इतना दीर्घजीवी चरित्र किसी का नहीं है। वे हमेशा निर्णायक और नियामक शक्ति रहे। दुष्टों का दमन और सत-पुरूषों को संरक्षण उनके चरित्र की विशेषता है। उनका चरित्र अक्षय है, इसलिए उनकी जन्म तिथि वैशाख शुक्ल तृतीया को माना गया। इस दिन का प्रत्येक पल, प्रत्येक क्षण शुभ मुहूर्त माना जाता है। विवाह के लिए या अन्य किसी शुभ कार्य के लिए अक्षय तृतीया के दिन अलग से मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं है। उनके जीवन का समूचा अभियान, संस्कार, संगठन, शक्ति और समरसता के लिए समर्पित रहा है। मानव जीवन को व्यवस्थित ढांचे में ढाला भगवान परशुराम ने मानव जीवन को व्यवस्थित ढांचे में ढालने का महत्वपूर्ण कार्य किया। दक्षिण के क्षेत्र में जाकर वहां कमजोर समाज को एकत्रित कर समुद्र तटों को रहने योग्य बनाया। अगस्त ऋषि से समुद्र से पानी निकालने की विद्या सीख कर समुद्र के किनारों को रहने योग्य बनाया। एक बंदरगाह बनाने का भी प्रमाण परशुराम जी का मिलता है। वही परशुराम जी ने कैलाश मानसरोवर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से पर्वत का सीना काटकर ब्रह्म कुंड से पानी की धारा को नीचे लाये जो ब्रह्मपुत्र नदी कहलायी। भगवान परशुराम समतावादी समाज का निर्माण करने वाले थे। भले ही उन्हें ब्राह्मणों का हितैषी और क्षत्रियों का विरोधी माना जाता रहा है। यह परशुराम जी को बेहद संकुचित आधार पर देखने की दृष्टि है।

राजा महेन्द्र प्रताप

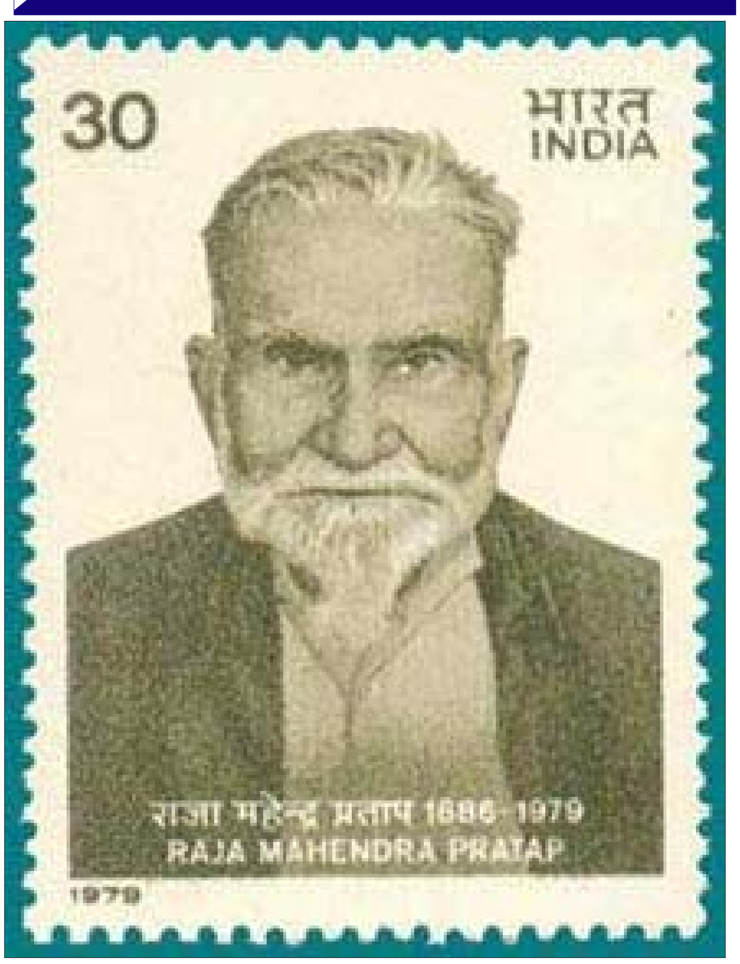

राजा महेन्द्र प्रताप एक सच्चे देशभक्त, क्रान्तिकारी, पत्रकार और समाज सुधारक थे। ये आर्यन पेशवा के नाम से प्रसिद्ध थे।

जीवन परिचय

राजा महेन्द्र प्रताप का जन्म मुरसान नरेश राजा बहादुर घनश्याम सिंह के यहाँ 1 दिसम्बर सन 1886 ई. को हुआ था। राजा घनश्याम सिंह जी के तीन पुत्र थे, दत्तप्रसाद सिंह, बल्देव सिंह और खड़गसिंह, जिनमें सबसे बड़े दत्तप्रसाद सिंह राजा घनश्याम सिंह के उपरान्त मुरसान की गद्दी पर बैठे और बल्देव सिंह बल्देवगढ़ की जागीर के मालिक बन गए।

खड़गसिंह जो सबसे छोटे थे वही हमारे चरित नायक राजा महेन्द्र प्रताप जी हैं। मुरसान राज्य से हाथरस गोद आने पर उनका नाम खंड़गसिंह से महेन्द्र प्रताप सिंह हो गया था, मानो खड़ग उनके व्यक्तित्व में साकार प्रताप बनकर ही एकीभूत हो गई हो। कुँवर बल्देव सिंह का राजा साहब (महेन्द्र प्रताप जी से) बहुत घनिष्ठ स्नेह था और राजा साहब भी उन्हें सदा बड़े आदर की दृष्टि से देखते थे। उम्र में सबसे छोटे होने के कारण राजा साहब अपने बड़े भाई को बड़े दादाजी और कुँवर बल्देवसिंह जी को छोटे दादाजी कहकर संबोधित किया करते थे।

बचपन

जब राजा साहब केवल तीन वर्ष के ही थे, तभी उन्हें हाथरस नरेश राजा हरिनारायण सिंह जी ने गोद ले लिया था, किन्तु राजा साहब 7-8 वर्ष की अवस्था तक मुरसान में ही रहे। इसका कारण यह था कि राजा घनश्यामसिंह को यह डर था कि कहीं राजा हरिनारायण सिंह की विशाल सम्पत्ति पर लालच की दृष्टि रखने वाले लोभियों द्वारा बालक का कोई अनिष्ट न हो जाए।

विद्यार्थी जीवन

राजा साहब पहले कुछ दिन तक अलीगढ़ के गवर्नमेन्ट स्कूल में और फिर अलीगढ़ के एम.ए.ओ. कॉलेज में पढ़े। यही कॉलेज बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ। राजा साहब को अलीगढ़ में पढ़ने सर सैयद अहमद ख़ाँ के आग्रह पर भेजा गया था, क्योंकि राजा साहब के पिताजी राजा घनश्याम सिंह की सैयद साहब से व्यक्तिगत मित्रता थी। इस संस्था की स्थापना के लिए राजा बहादुर ने यथेष्ट दान भी दिया था। उससे एक पक्का कमरा बनवाया गया, जिस पर आज भी राजा बहादुर घनश्याम सिंह का नाम लिखा हुआ है। राजा साहब स्वयं हिन्दू वातावरण में पले परन्तु एम.ए.ओ. कॉलेज में पढ़े। इसका एक सुखद परिणाम यह हुआ कि मुस्लिम धर्म और मुसलमान बन्धुओं का निकट सम्पर्क उन्हें मिला और एक विशिष्ट वर्ग के (राजकुमारों की श्रेणी के) व्यक्ति होने के कारण तब उनसे मिलना और उनके सम्पर्क में आना सभी हिन्दू मुस्लिम विद्यार्थी एक गौरव की बात मानते थे। इसका परिणाम यह हुआ कि राजा साहब का मुस्लिम वातावरण तथा मुसलमान धर्म की अच्छाइयों से सहज ही परिचय हो गया और धार्मिक संकीर्णता की भावना से वह सहज में ही ऊँचे उठ गए। बाद में जब राजा साहब देश को छोड़ कर विदेशों में स्वतंत्रता का अलख जगाने गये, तब मुसलमान बादशाहों से तथा मुस्लिम देशों की जनता से उनका हार्दिक भाईचारा हर जगह स्वयं बन गया। हमारी राय से राजा साहब के व्यक्तित्व की यह विशेषता उन्हें इस शिक्षा संस्थान की ही देन है।

स्वतंत्रता सेनानी की भावना

राजा साहब जब विद्यार्थी थे, उनमें जहाँ सब धर्मों के प्रति सहज अनुराग जगा वहाँ शिक्षा द्वारा जैसे-जैसे बुद्धि के कपाट खुले वैसे-वैसे ही अंग्रेज़ों की साम्राज्य लिप्सा के प्रति उनके मन में क्षोभ और विद्रोह भी भड़का। वृन्दावन के राज महल में प्रचलित ठाकुर दयाराम की वीरता के किस्से बड़े बूढ़ों से सुनकर जहाँ उनकी छाती फूलती थी, वहाँ जिस अन्याय और नीचता से गोरों ने उनका राज्य हड़प लिया था, उसे सुनकर उनका हृदय क्रोध और क्षोभ से भर जाता था और वह उनसे टक्कर लेने के मंसूबे बाँधा करते थे। जैसे-जैसे उनकी बुद्धि विकसित होती गई, वैसे अंग्रेज़ों के प्रति इनका विरोध भी मन ही मन तीव्र होता चला गया।

अंग्रेज़ पुलिस कप्तान से मुलाकात

राजा साहब जब अलीगढ़ में विद्यार्थी थे, उनके छोटे भाई दादा (बीच के भाई) कुँवर बल्देव सिंह प्राय- उनसे मिलने अलीगढ़ आते रहते थे। एक दिन वह उन्हें अपने साथ अलीगढ़ के अंग्रेज़ पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट से मिलाने ले गए। उस समय राजा साहब 19 या 20 वर्ष के नवयुवक थे। जब पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट से मुलाकात हुई, तो कुँवर बल्देव सिंह ने उसे सलाम किया परन्तु राजा साहब ने ऐसा न करके उससे केवल हाथ मिलाया। बाद में जब बातचीत का सिलसिला चला तो राजा साहब ने पुलिस सुपरिन्टेन्डेन्ट को किसी प्रसंग में यह भी हवाला दिया कि हमारे दादा अंग्रेज़ों से लड़े थे। यह सुनकर सुपरिन्टेन्डेन्ट कुछ समय के लिए सन्न रह गया और कुछ मिनटों तक विचार-मग्न रहा। जब बाद में बातचीत का प्रसंग बदला तब वह सामान्य स्थिति में आ सका। इस प्रकार निर्भीकतापूर्वक अपनी स्पष्ट बात कह देने की आदत राजा साहब में बचपन से ही रही।

विवाह

राजा साहब के बड़े भाई कुँवर बल्देव सिंह जी की शादी फरीदकोट में बड़ी शान से हुई थी और उसे देखकर उनके मन में भी यह गुप्त लालसा जाग उठी थी कि मेरा विवाह भी ऐसी ही शान और तड़क-भड़क से हो। राजा साहब के विद्यार्थी जीवन में ही सन 1901 में जब वह केवल 14 वर्ष के थे, यह अवसर भी आ गया। जींद नरेश महाराज रणवीरसिंह जी की छोटी बहिन बलवीर कौर से उनकी सगाई बड़े समारोह से वृन्दावन में पक्की हो गई और विवाह की तैयारी होने लगी। परन्तु इसी बीच एक महान् दुर्घटना घट गई। जिस दिन राजा साहब का तेल चढ़ा था, उसी दिन दुर्भाग्य से मथुरा वृन्दावन मार्ग पर स्थित जयसिंहपुरा वाली कोठी में उनके पूज्य पिता राजा बहादुर घनश्यामसिंह जी का स्वर्गवास हो गया। इस दुर्घटना के कारण विवाह को भी स्थगित करने का भी विचार होने लगा, किन्तु अन्त में यही तय हुआ कि क्योंकि राजा महेन्द्र प्रताप गोद आ गये हैं, अत- देहरी बदल जाने के कारण अब विवाह नहीं रोका जा सकता।

रेल गाड़ियों में गई बारात

राजा महेन्द्र प्रताप जी का विवाह जींद में बड़ी शान से हुआ। दो स्पेशल रेल गाड़ियों में बारात मथुरा स्टेशन से जींद गई। इस विवाह पर जींद नरेश ने तीन लाख पिचहत्तर हज़ार (3,75,000) रुपये व्यय किए थे। यह उस सस्ते युग का व्यय है, जब 1 रुपये का 1 मन गेहूँ आता था। विवाह में इतना अधिक दहेज आया था कि वृन्दावन के महल का विशाल आँगन उससे खचाखच भर गया। इस दहेज का बहुत सा सामान महाराज ने इष्ट मित्रों और जनता को बांट दिया। विवाह के समय राजा साहब की आयु केवल 14 वर्ष की थी और उनकी महारानी उनसे तीन वर्ष बड़ी थीं। इस छोटी अवस्था में भी महाराज में दानवृत्ति और त्यागवृत्ति विद्यमान थी। वह राज्याधिकार प्राप्त होने पर भी यथावत बनी रही, वरन् कहना चाहिए कि उनमें परोपकार की भावना निरंतर विकसित होती रही।

मुरसान राज्य

मुरसान राज्य के संस्थापक नन्दराम सिंह अपने परदादा माखनसिंह की तरह असीम साहसिक तथा रणनीति और राजनीति में पारंगत थे। औरंगज़ेब को नन्दराम सिंह ने अपने कारनामों से इतना आतंकित कर दिया, जिससे मुग़ल दरबार में नन्दराम सिंह को फ़ौजदार की उपाधि देकर संतोष की साँस ली। नन्दराम सिंह ने पहली बार मुरसान का इलाका भी अपने अधिकार में कर लिया और वे एक रियासतदार के रूप में प्रसिद्ध हुए। इनके चौदह पुत्र थे, जिनमें से जलकरन सिंह, खुशालसिंह, जैसिंह, भोजसिंह, चूरामन, जसवन्तसिंह, अधिकरणसिंह और विजयसिंह इन आठ पुत्रों के नाम ही ज्ञात हो सके हैं।

भारत-पाक विवाद का हुआ असर? डिफेंस स्टॉक में आया 10 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाक विवाद का असर अब शेयर बाजार तक पहुंच गया है। शेयर बाजार के बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी के डिफेंस स्टॉक में 10 फीसदी तक उछाल दिखा गया है। इन स्टॉक में Hindustan Aeronautics, bharat dynamics और Zen Technologies इत्यादि शामिल हैं।

वहीं इससे पहले शुक्रवार को 25 अप्रैल के दिन शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखी गई। जिसका कारण भारत-पाक के बीच बढ़ रहा विवाद भी बताया जा रहा है।

Hindustan Aeronautics- अभी दोपहर 2ः54 बजे Hindustan Aeronautics के शेयर बीएसई सेंसेक्स में 5.4 फीसदी उछले हैं। इसके एक शेयर की कीमत 4412 रुपये है। वहीं एनएसई निफ्टी में इसके शेयर में 5.14 फीसदी की बढ़त है। इसके शेयर की कीमत अभी 4412 रुपये प्रति शेयर चल रहा है।

bharat dynamics - अभी खबर लिखते हुए दोपहर 2ः57 बजे बीएसई सेंसेक्स में इसके शेयर में 5.19 फीसदी की बढ़ोतरी है। इसके एक शेयर की कीमत यहां 1487 रुपये चल रही है। एनएसई निफ्टी में 5.28 फीसदी की बढ़त है। यहां इसके शेयर की कीमत 1488 रुपये हैं।

Zen Technologies- इसके शेयर की कीमत बीएसई सेंसेक्स में अभी दोपहर 2ः59 बजे 1455 रुपये हैं। इसके शेयर में 2.76 फीसदी की बढ़त है। एनएसई निफ्टी में 2.90 फीसदी बढ़त है। यहां इसके एक शेयर की कीमत 1457 रुपये चल रही है।

कैसा रहेगा आगे बाजार?

Geojit Investment Limited के Chief Investment Strategist का कहना है कि भारत-पाक के बीच बढ़ रहें विवाद का असर शेयर बाजारों में देखने को मिल सकता है। इसका अनुमान लगा पाना अभी मुश्किल है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले 8 दिनों में विदेशी निवेशकों ने 32,465 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। वहीं अमेरिका की अर्थव्यवस्था में बढ़ रहे तनाव के कारण विदेशी निवेशक और ज्यादा बाजार की तरफ रूख ले सकते हैं।

पिछले 10 सालों में अक्षय तृतीया पर कितना रहा सोने का दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। भारत में सोना खरीदना सिर्फ निवेश का ही जरिया नहीं है। बल्कि इससे लोगों की भावनाएं भी जुड़ी हुई है। हमारे देश में किसी उत्सव, शादी या शुभ अवसरों पर ही ज्यादा सोना खरीदा जाता है। ऐसे अवसर पर डिमांड को देखते हुए, सोने के दाम में बढ़ोतरी देखने को मिलती है।

सोने के दाम में हर साल अच्छी खासी बढ़ोतरी देखने को मिलती है। जिसका मतलब है कि इसमें निवेश कर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। Ventura के अनुसार 10 मई 2024 तक सोने की खरीदारी में 30 फीसदी का गेन मिला है। इसमें मिलने वाले रिटर्न को बेहतर समझने के लिए आज हम अक्षय तृतीया के मौके पर सोने के दाम को देखेंगे।

जिसके जरिए हम अक्षय तृतीया के मौके पर सोने से मिलने वाले रिटर्न, महंगाई, हर साल बढ़ रही कीमत के बारे में बेहतर समझ पाएंगे।

10 सालों में कितना रहा सोना?- नीचे बताए गए आंकड़े Ventura की रिपोर्ट से लिए गए हैं। वहीं यहां हमने 24 कैरेट सोने का भाव लिया है। 24 कैरेट सोने में 99.9 प्रतिशत सोना होता है, वहीं बाकी अन्य धातुओं का मिश्रण होता है। साल 2015 से लेकर अब तक ही सोने का दाम देखा जाएं तो इसमें 68,964 रुपये प्रति 10 ग्राम का अंतर देखने को मिला है।

लोन के लिए करना चाहते हैं अप्लाई? जानिए कितना सिबिल स्कोर बैंक कर्ज के लिए है सही?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक किसी भी व्यक्ति को उधार देने से पहले उसकी उधार लौटाने की क्षमता जांचते हैं। इसका सबसे आसान जरिया आवेदक का क्रेडिट स्कोर होता है। इसे बोलचाल की भाषा में सिबिल स्कोर भी कहा जाता है। ये स्कोर आपके लोन या उधार देने की क्षमता को दर्शाता है। अगर आपका सिबिल स्कोर अच्छा है, तो बैंक से लोन ब्याज दर पर मोल भाव कर सकते हैं। वहीं कई बैंक सिबिल स्कोर बेहतर होने पर कई बेनिफिट देता है। इसके साथ ही क्रेडिट स्कोर के जरिए क्रेडिट कार्ड से जुड़े लाभ का फायदा भी उठाया जा सकता हैं।

कितना क्रेडिट स्कोर है सही- सिबिल स्कोर से जुड़े आंकड़े IIFL Finance से लिए गए हैं।

आप सिबिल की वेबसाइट और यूपीआई ऐप के जरिए सिबिल स्कोर चेक कर सकते हैं। एक साल में कम से कम दो से तीन बार तक सिबिल स्कोर चेक करना सही रहता है।

300 से 549- अगर किसी व्यक्ति का सिबिल स्कोर 300 से 549 के बीच होता है। तो इसे लोन मिलने या क्रेडिट कार्ड लेने में दिक्कत आ सकती है। एक लो रेंज सिबिल स्कोर ये दर्शाता है कि आपने लोन का ईएमआई या क्रेडिट कार्ड बिल समय पर नहीं भरा है।

549 से 649- ये रेंज बैंक या वित्तीय संस्थान की नजर में ठीक मानी जाती है। हालांकि इस रेंज पर बैंक से ब्याज दर के लिए मोल भाव करना मुश्किल है। वहीं आपको फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट से ज्यादा ब्याज दर पर लोन मिलता है। क्रेडिट कार्ड से जुड़े फायदे भी कम मिलते हैं।

650-749- इसे अच्छा क्रेडिट स्कोर माना जाता है। जो दिखता है कि आपने ईएमआई या क्रेडिट बिल समय पर भरा होगा। हालांकि 650 से 749 क्रेडिट स्कोर रखने वालो को इससे बेहतर करने पर जोर देना चाहिए।

म्यूचुअल फंड के जरिए भी मिल जाता है इंस्टेंट लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। इसके तहत 12 से 14 फीसदी अनुमानित रिटर्न मिल जाता है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। बहुत कम लोग जानते होंगे कि म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट लोन भी लिया जा सकता है।

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए कई तरह के ऑप्शन मिलते हैं। लेकिन आज हम खासतौर पर इक्विटी, डेट और हाइब्रिड के बारे में बात करेगे। ये जानेंगे कि इन तीनों के अगेंस्ट कितना लोन प्राप्त कर सकते हैं।

यहां अगेंस्ट का अर्थ है कि आप इन फंड को बैंक में गारंटी के रूप में जमा कराते हैं। जैसे ही आप लोन की पेमेंट पूरी कर लेते हैं, आपको ये फंड फिर से मिल जाते हैं।

कितना मिल सकता है लोन?

म्यूचुअल फंड के अगेंस्ट लोन लेने पर उधार राशि उसके टाइप पर निर्भर करता है।

अगर इक्विटी फंड है, तो इसकी वैल्यू का 50 फीसदी लोन के रूप में मिल जाएगा। ये इसलिए कम है कि क्योंकि ये फंड ज्यादा जोखिम वाला होता है।

डेट फंड और हाइब्रिड फंड के अगेंस्ट 70 से 75 फीसदी लोन मिल जाएगा। क्योंकि ये कम जोखिम वाले फंड होते हैं। डेट और हाइब्रिड फंड में शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव कम होता है।

म्यूचुअल फंड के जरिए लोन लेने पर ब्याज दर 10 से 12 फीसदी होता है। हालांकि ये बैंक और वित्तीय संस्थान पर निर्भर करता है।

Gen-5 बड़ी कंपनियों में काम करने के बजाय बन रहे एंटरप्रेन्योर, RBI गवर्नर ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमारे देश की केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का काम सभी प्राइवेट और सरकारी बैंक को नियंत्रित करना है। इसके साथ ही ये सुनिश्चित करना भी है कि अर्थव्यवस्था में एक बैलेंस बना रहा है। जिससे लेकर वे आए दिन अलग-अलग कदम उठाती रहती है।

हालांकि इस खबर में हम किसी कदम पर चर्चा नहीं करेंगे, बल्कि एक स्टेटमेंट पर बात करेंगे। हाल ही में यूएस के वाशिंगटन में यूएस-इंडिया इकोनॉमिक फोरम आयोजित हुआ। इसे सीआईआई और यूएसआईएसपीएफ द्वारा आयोजित किया गया था। इस आयोजन में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा भी शामिल हुए थे। उन्होंने अपने भाषण के दौरान भारत के युवा यानी तद्द्ठ5 पर बात की है।

Gen-5 पर क्या बोले आरबीआई गवर्नर- आरबीआई गवर्नर ने भाषण देते वक्त कहा कि जब मैंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी की थी। मेरी पहली प्राथमिकता किसी बड़ी एमएनसी कंपनी में काम करना था। हमें से किसी ने भी बिजनेस शुरू करने पर विचार नहीं किया। लेकिन पिछले कुछ वर्षो में देश के युवा का रुझान बिजनेस की ओर ज्यादा दिखाई दे रहा है। इनमें ज्यादातर इंजीनियर और मैनेजमेंट के छात्र-छात्राएं हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में बढ़ रहा स्टार्टअप अर्थव्यवस्था में अपना बड़ा योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी यूनिकॉर्न बन चुकी है। इसमें कई तरह के सेक्टर शामिल है। जिनमें हाईटेक सेक्टर जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और रिन्यूबल एनर्जी इत्यादि भी शामिल हैं।

हर वर्ष पाकिस्तान पहुंचते हैं 10 अरब डॉलर के भारतीय उत्पाद, जीटीआरआई का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्थिक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआइ) ने अपने ताजा अनुमान में कहा है कि हर वर्ष 10 अरब डालर से ज्यादा के भारतीय उत्पाद पाकिस्तान पहुंचते हैं। यह उत्पाद व्यापार प्रतिबंधों को दरकिनार करते हुए दुबई, सिंगापुर और कोलंबो पोर्ट के जरिये पाकिस्तान पहुंचते हैं।

भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर माल भेजती हैं- जीटीआरआइ का कहना है कि भारतीय कंपनियां इन बंदरगाहों पर माल भेजती हैं, जहां एक स्वतंत्र कंपनी माल उतारती है और उत्पादों को बांडेड गोदामों में रखती है। इन गोदामों में शुल्क का भुगतान किए बिना माल का भंडारण किया जा सकता है।

दस्तावेजों को बदलकर अलग देश का मूल दर्शाया जाता है- जीटीआरआइ के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि बांडेड वेयरहाउस में लेबल और दस्तावेजों को बदलकर अलग देश का मूल दर्शाया जाता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सूने घर में चोरी, पीड़ित बोला- मुन्नी, हेमा व रानी को उठा ले गए चोर

सतना । मैहर जिले के ताला थाना क्षेत्र में चोरी वारदात सामने आई है। सूने घर से मुन्नी, रानी, हेमा, लक्ष्मी को चोरों ने उठाकर ले गए। इस चोरी के बाद पीड़ित ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस चोरों की तालाश में जुटी हुई है।

इस संबंध में ताला थाना प्रभारी पंचराज सिंह ने बताया कि ताला थाना क्षेत्र के ललितपुर निवासी कुंजीलाल यादव ने बताया कि वो अपने पूरे परिवार के साथ शादी समारोह में गया हुआ था। इस दौरान घर में रानी, लक्ष्मी, हेमा और मुन्नी सहित कुल 24 बकरियां बंधी हुई थी।सूने घर का फायदा उठाते हुए घर में अज्ञात चोरों ने घुसकर बकरियों को पार कर दिया। सभी बकरियों की उम्र लगभग बराबर थी। सब एक साथ ही रहती थी। ये बात शायद चोर की भी पता थी। यही वजह रही की चोर ने एक साथ बकरियों से भरे पूरे घर को ही खाली कर दिया। पीड़ित कुंजीलाल यादव के लिखित आवेदन के बाद ताला पुलिस ने भी बकरियों की तलाश में जुट गई है।

पीड़ित ने बताया उसके परिवार जैसी थी

पीड़ित कुंजीलाल यादव ने बताया कि सभी बकरियां उसके परिवार जैसी थी, जिन्हें उनके नाम से ही पुकारता था। कुंजीलाल यादव ने बताया कि वह बड़े भाई के बेटे की शादी कार्यक्रम में शामिल होने रीवा जिला गया हुआ था। सुबह अचानक घर कॉल आया कि 22 बकरियों को चोर चुरा ले गए, जिसके बाद वो अपने घर आया और थाना ताला पहुंचा।

लाभ का झांसा देकर 24 लाख ठगे

जबलपुर। एक डॉक्टर को सोशल मीडिया पर अनजान युवती से मित्रता भारी पड़ गई। निवेश पर मोटी कमाई का झांसा देकर उसने डॉक्टर को लाखों रुपये की चपत लगा दिया। बाजनामठ जेडीए कॉलोनी निवासी डॉ अनुज प्रताप सिंह (50) को सोशल मीडिया पर एक युवती ने फ्रैंस रिक्वेस्ट भेजी। युवती का नाम श्वेता जायसवाल लिखा था। उन्होंने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट कर ली। उसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के बीच बातचीत होने लगी। कुछ समय बाद दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल फोन नंबर ले लिया। मोबाइल फोन पर एक एप के माध्यम से दोनों बातचीत करने लगे। कई दिन तक बातचीत के बाद युवती ने डॉक्टर का विश्वास जीत लिया। उसे अपने झांसे में लिया। निवेश में लाभ का लालच देकर अलग-अलग किस्त में डॉक्टर से कुल 24 लाख 28 हजार 651 रुपये झटक लिया।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के लालच में फंसे डॉक्टर दरअसल, युवती ने डॉक्टर को बताया कि वह फॉरेक्स ट्रेडिंग करती है। यह ऑनलाइन होती है। निवेश पर मोटा लाभ प्राप्त होता है। उसने डॉक्टर को भी निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। उसकी बातों में फंसकर डॉक्टर निवेश के लिए तैयार हो गए। इस पर युवती ने सोशल मीडिया पर डॉक्टर को एक लिंक भेजा।

उस पर ऑनलाइन रिजस्ट्रेशन करने को कहा। चार जनवरी को युवती ने डॉक्टर से 40 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए। उसके बाद डॉक्टर ने युवती के बताए अनुसार अलग-अलग तिथि और खाते में दो माह के अंदर कुल 24 लाख रुपये से अधिक राशि ऑनलाइन ट्रांसफर किए।

इस दौरान युवती ने उसके निवेश किए गए ट्रेड पर अच्छा लाभ होने की जानकारी दी। इस पर डॉक्टर ने लाभ के साथ राशि वापस लेने की प्रोसेस को बोला, तो युवती ने पहले टैक्स जमा करने की शर्त बताई। टैक्स के रुप में निश्चित राशि उसे ऑनलाइन ट्रांसफर करने को बोला।

धार में सड़क दुर्घटना में कार सवार चार लोगों की मौत, झाबुआ से शादी में शामिल होने आ रहे थे

धार । मध्य प्रदेश के धार जिले के तिरला थाना अंतर्गत इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम भलगांवड़ी में सोमवार सुबह करीब पांच से छह बजे एक कार हादसे का शिकार हो गई। यह कार मार्ग में खड़े वाहन में जा घुसी।

इससे कार के परखच्चे उड़ गए। साथ ही इसमें बैठे हुए चारों युवाओं की मौत हो गई। इनके शवों को निकालने के लिए पुलिस व ग्रामीणों को काफी मशक्कत करना पड़ी। जिस वाहन से कार टकराई थी। उसका अभी पता नहीं चल पाया है।तीन दोस्तों को फुलगांवड़ी से कार में बैठाया

पुलिस ने जिला चिकित्सालय में शव का पीएम करवाकर स्वजनों को सौंप दिया है। प्रथम दृष्टया ये सामने आया है कि इसमें एक युवक झाबुआ से कार में सवार होकर निकला था। उसने अपने तीनों दोस्त को धार जिले के ग्राम फुलगांवड़ी से कार में बैठाया था। यहां से चारों दोस्तों ने कुछ किमी दूरी का सफर किया था और ये हादसा हो गया।

फोन कर बुलाया था जानकारी के मुताबिक धार जिले के ग्राम फुलगांवड़ी से प्रकाश पुत्र नाथू ने झाबुआ के राजा पुत्र कालूसिंह बारिया को फोन कर फुलगांवड़ी में बुलाया था। इस पर झाबुआ से राजा कार क्रमांक एमपी 45 जेडए 2571 लेकर फुलगांवड़ी पहुंचा था।

यहां रात करीब दो बजे प्रकाश पुत्र नाथू निवासी रतलाम, राहुल पुत्र दयाराम निवासी फुलगांवड़ी, दिलीप पुत्र रमेश निवासी राजगढ़ चारों कार में बैठकर धार की ओर किसी के यहां पर शादी समारोह में शामिल होने निकले थे। इस दौरान ग्राम भलगांवड़ी पहुंचते ही पीछे से एक अज्ञात वाहन में जा घूसे। चारों की मौके पर ही मौत हो गई हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर तिरला पुलिस पहुंची व सभी शवों को कार में से निकालकर धार के जिला अस्पताल भेजा गया। यहां सभी के शवों का पीएम कर स्वजनों के सौंप दिए हैं।

बांधवगढ़ में बाघिन ने वन विभाग के ड्राइवर पर किया हमला, एक महिला को मारने के साथ 3 लोगों को कर चुकी है घायल

उमरिया । बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर रेंज में ग्राम कुशमहा-कोठिया के बीच सक्रिय बाघिन ने सोमवार की सुबह वन विभाग के गश्तीदल में शामिल वाहन ड्राइवर पर हमला कर दिया। इस घटना में ड्राइवर राम सुहावन चौधरी घायल हो गया है।

बाघिन के हमले में उनके गर्दन, चेहरे और शरीर के दूसरे हिस्सों में भी चोट आई है। बताया गया है कि एक महिला को मौत के घाट उतारने और तीन लोगों पर हमला करने वाली बाघिन का रेस्क्यू करने के लिए टीम जंगल में गश्त कर रही थी।इसी दौरान टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम के ऊपर बाघिन ने अचानक हमला कर दिया। जिसमें सीनियर वाहन ड्राइवर राम सुहावन चौधरी गम्भीर रूप से घायल हो गए। रेस्क्यू टीम प्रभारी ने तत्काल अपने वाहन से जिला अस्पताल उमरिया भेजा, जहां से प्राथमिक

उपचार के बाद कटनी रेफर कर दिया गया।

किया जाना है रेस्क्यू इस बाघिन ने अप्रैल की शुरुआत में एक महिला को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद 22 अप्रैल को एक दिन में दो ग्रामीणों को भी घायल कर दिया था। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने पनपथा बैरियल के सामने सड़क भी जाम कर चुके हैं।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि सीनियर वाहन चालक के गम्भीर रूप से घायल होने के बाद रेस्क्यू टीम प्रभारी को छोड़ कर पूरे टाइगर रिजर्व का स्टाफ दूरी बनाए हुए है। बाघिन के यहां सक्रिय होने के कारण ग्रामीणों में भी आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पतौर रेंजर एवं रेस्क्यू टीम प्रभारी अर्पित मैराल ने बताया कि हम लोग अपनी टीम के साथ लगातार तीन दिन से बाघिन की निगरानी कर रहे है।

टीम के लोगों ने बचाया

दरअसल वन अमला बाघिन को रेस्क्यू कर बाड़े में रखना चाह रहा है। बाघिन का रेस्क्यू होने से ग्रामीणों को उस बाघिन से राहत मिल सकेगी। सोमवार की सुबह से पतौर रेंज के पनपथा बीट अंतर्गत कक्ष क्रमांक आर एफ 428 में पैदल सामूहिक गश्त कर उसके रेस्क्यू की तैयारी चल रही थी।

इसी दौरान अचानक बाघिन ने वन टीम के सीनियर वाहन चालक राम सुहावन चौधरी पर हमला कर दिया। जिसमें टीम के अन्य लोगों ने बचाया और तत्काल अपने वाहन से जिला अस्पताल भेज दिया। जहां से घायल चालक को प्राथमिक उपचार के बाद कटनी भेजा गया है। घटना स्थल पर अभी भी हाथियों से बाघिन की निगरानी की जा रही है।

जबलपुर में शराब कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी की रेड, बैंक डिटेल और कम्प्यूटर हार्डडिस्क जब्त

जबलपुर । आबकारी विभाग में फर्जी चालान लगाकर करोड़ों की शराब गोदाम से दुकान में ले जाने और बेचने वाले शराब ठेकेदारों के घर और दफ्तर में ईडी ने छापा मारा। छापे की कार्रवाई सोमवार सुबह जबलपुर के साथ इंदौर और भोपाल में भी हुई। जबलपुर में शराब ठेकेदार जायसवाल और चौकसे ग्रुप के घर और दफ्तर में प्रवर्तन निदेशालय की टीम पहुंची।

इनके तार इंदौर और भोपाल के शराब कारोबारियों से जुड़े हैं। जांच दल ने मौके से शराब ठेके से जुड़े दस्तावेज, बैंक डिटेल और कम्प्यूटर हार्ड डिस्क व लैपटाप जप्त किया है। हालांकि जांच दोपहर को भी जारी रही।ठेकेदारों में भी मचा हड़कंप इधर कार्रवाई की खबर जबलपुर में आग की तरह फैली और आबकारी विभाग के अधिकारी से लेकर ठेकेदारों तक हड़कंप मच गया। जिले में करीब 130 से ज्यादा शराब दुकानें हैं, जिनका मार्च में ही करीब एक हजार करोड़ से ज्यादा का नया ठेका हुआ है।

सूत्रों की मानें तो डीई के अधिकारी रात में ही जबलपुर पहुंच गए थे और उन्होंने जायसवाल और चौकसे समेत कई ठेकेदारों के यहां छापेमारी की। उनके घर और ठिकानों पर सुबह जांच दल पहुंचा।

जानकारी के मुताबिक आठ अगस्त 2017 में इंदौर के रावजी पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर 172/2017 दर्ज की गई थी। ईडी ने आबकारी विभाग से आंतरिक जांच के आधार पर दर्ज प्राथमिकी के संबंध में विवरण उपलब्ध कराने को कहा था।

फर्जी चालान लगाने के प्रमाण मिले इस संबंध में ईडी ने एक पत्र लिखा, जिसमें लिखा गया था कि शराब ठेकेदारों से वसूली गई राशि, यदि कोई हो तो उसका विवरण उपलब्ध कराएं।

इन्दौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेन्टर में हुआ टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों का निर्माण किसी मंदिर के बनने की तरह है। उद्योग ऐसे मंदिर हैं जो भगवान की तरह दर्शन जीविका का प्रसाद और आशीर्वाद देते हैं। श्रम शक्ति से लाखों व्यक्तियों को रोजी-रोटी मिलती है। आज के तकनीकी दौर में छोटे देश भी प्रगति कर रहे हैं। युद्धों से विकास में पिछड़ने वाले देश भी उद्यमशीलता से विकसित हो जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आज बदलते दौर का भारत देख रहे हैं, जहां कई क्षेत्रों में तीव्र प्रगति हो रही है। इंदौर ने उद्योगों के विकास का कीर्तिमान बनाया है, इंदौर आईटी क्षेत्र की राजधानी है। इंदौर में श्री अतुल पंचशील जैसे उद्योगपति विशिष्ट कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया प्रदेश में पाँच बड़े नगरों में इण्डस्ट्री पार्क प्रारंभ किये जा रहे हैं। कोरिया जैसे देश जिनसे भारत का पुराना सांस्कृतिक नाता है, वे भी मध्यप्रदेश में निवेश के लिये

इच्छुक हैं। आज की कॉन्क्लेव में कोरिया और जापान से भी प्रतिनिधि आये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव से लगभग 20 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 75 हजार रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आज के टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के भूमि-पूजन एवं शिलान्यास भी हुए हैं। इसमें से जीआईएस-भोपाल में आईटी सेक्टर में प्राप्त 99 प्रस्तावों में से 25 प्रतिशत का आज भूमि-पूजन हुआ है, जो इस बात का द्योतक है कि हम बस वादे नहीं करते, उन्हें धरातल पर उतारकर भी दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भोपाल जिले के बैरसिया में मोबाईल, सेमीकंडक्टर डिवाइस पार्क बनाने वाले प्रतिष्ठान विश्व स्तरीय अधोसंरचना का लाभ प्राप्त करेंगे। लगभग 209 एकड़ क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के इस मेगा प्रोजेक्ट से बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराना संभव होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बैरसिया में महत्वपूर्ण निवेश करीब 1500 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने में सफलता मिली है। स्पेस टेक नीति के अंतर्गत यह कार्य होगा। इससे सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में नया दौर सामने आयेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में एग्रीटेक उत्कृष्टता केन्द्र बनेगा। ड्रोन तकनीक सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आयेगा। परदेशीपुरा आईटी पार्क से नई संभावनाएँ विकसित होंगी। इंदौर आईटी क्षेत्र की नई राजधानी बन गयी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गयी 18 उद्योग हितैषी नीतियों का लोकार्पण किया था। ये नीतियाँ उद्योगों के विकास में उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में अद्भूत कार्य किया है। उनके विकसित भारतञ्च2047 के संकल्प के अनुसार मध्यप्रदेश में निरंतर कार्य हो रहा है।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उद्योग में एक बड़ा केंद्र बनने के लिए तैयार है। नवीन तकनीकी क्रांति में राज्य अग्रणी भूमिका निभाने और निवेश आकर्षित करने की ओर अग्रसर है। एमपी टेक ग्रोथ कॉनक्लेव-2025 में अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने रविवार को मध्यप्रदेश - सेमीकंडक्टर और ईएसडीएम के लिए अगला गंतव्य विषय पर आयोजित राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस-4 को ब्रिलियंट कंवेंशन सेंटर, इंदौर में संबोधित किया। उन्होंने राज्य की सेमीकंडक्टर नीति एवं प्रदेश सरकार द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली वित्तीय एवं गैर वित्तीय सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उद्योगपतियों/निवेशकों ने अपने विचार और सुझाव रखे। इसमें प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपीएसईडीसी श्री गुरु प्रसाद , डॉ. मणि मधुकर, प्रोग्राम लीड, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम - आईबीएम इंडिया, श्री अभिषेक कुमार, प्रबंध निदेशक (एमडी) केदारा सहित उद्योगपति/निवेशक उपस्थित रहे।

एसीएस श्री दुबे ने कहा कि टियर-2 शहर जैसे इंदौर, भोपाल का तेजी से विकास राज्य की तकनीकी स्थिति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की विशेष भौगोलिक स्थिति, त्वरित स्वीकृतियाँ, आधुनिक आधारभूत संरचना और प्रगतिशील नीतियाँ तकनीकी विकास को गति दे रही हैं।

इंदौर से स्लीपर बसों में सफर करने वालों की जान खतरे में, 400 गाड़ियों में रोज क्षमता से ज्यादा ढोया जा रहा वजन

इंदौर। हाईवे पर रोज ऐसी यात्री बसें देखी जा सकती हैं, जिनमें सीटिंग और स्लीपर व्यवस्था के साथ बस की छत पर भारी मात्रा में सामान लदा होता है। इससे दुर्घटना की आशंका होती है। मगर अब ओवरलोडेड बसों का यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल हुई है, जिसमें पूरे देश में ओवरलोडेड यात्री बसों का मुद्दा उठाया गया है। कहा गया है कि ओवरलोडेड यात्री बसें न सिर्फ लोगों के जीवन के लिए गंभीर खतरा हैं, बल्कि ये पर्यावरण को भी प्रदूषित करती हैं। जीएसटी छुपाने से राजस्व का भी नुकसान

बसों पर लदे सामान का जीएसटी छुपाने से राजस्व का भी नुकसान होता है। यह याचिका वकील संगम लाल पांडेय ने दाखिल की है। इसमें केंद्र और सभी राज्यों को पक्षकार बनाया गया है। इंदौर से अन्य शहरों और राज्यों तक जाने वाली 400 स्लीपर बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक वजन भरा जा रहा है।

दिगंबर जैन महाकुंभ में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जैन साधुओं से लिया आशीर्वाद

भगवान महावीर के सत्य, अहिंसा के सिद्धांतों से समाज का कल्याण होगा- मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह के सिद्धांतों पर चलकर ही समाज का कल्याण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में दिगंबर जैन महाकुंभ में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने महाकुंभ में पधारे जैन साधुओं का चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक गण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि इंदौर में जैन संप्रदाय के साधुओं के महाकुंभ आयोजन से मालवा की धरती धन्य हो गई है। मालवा क्षेत्र के लिए यह एक अद्भुत अवसर है।

हमारा समाज मेक इन इंडिया और मैड इन इंडिया को बढ़ावा दे - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वदेशी का भाव भारत की आत्मा में रचा-बसा है। वर्षों पूर्व शुरू हुई स्वदेशी जागृति आज मेक इन इंडिया और मैड इन इंडिया जैसे अभियानों के रूप में देश को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का विचार पूरे देश में तेज़ी से फैल रहा है, जो अत्यंत गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज लालबाग परिसर में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने समय-समय पर अनेक चुनौतियों का सामना किया, लेकिन स्वावलंबन और स्वदेशी की भावना कभी क्षीण नहीं हुई। हमें इस भावना को और सशक्त बनाना है ताकि भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।

राज्य सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण और आत्म सम्मान की रक्षा के लिये पूरी तरह से है प्रतिबद्ध- मुख्यमंत्री डॉ.यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर में दिव्यांगजनों के हित में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 300 दिव्यांगजनों को कुल 749 बैटरीयुक्त ट्रायसिकल सहित अन्य तरह के सहायक उपकरणों का वितरण किया। जिला प्रशासन की पहल पर आईडीबीआई बैंक के सामाजिक दायित्व कार्यक्रम तथा भारतीय रेडक्रास सोसाइटी के वित्तीय सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव,विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़ तथा श्री मनोज पटेल,श्री सुमित मिश्रा, श्री सावन सोनकर, कलेक्टर श्री आशीष सिंह विशेष रूप से मौजूद थे। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दिव्यांगजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। हमारी सरकार उनका आत्मसम्मान बढ़ाने, उन्हें स्वावलंबी बनाने और मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि बैटरीयुक्त ट्रायसिकल और सहायक उपकरणों से दिव्यांगजनों की गतिशीलता बढ़ेगी और वे अधिक स्वतंत्रता के साथ सुविधाजनक रूप से अपने कार्यों को सहजता से कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निजी क्षेत्र से भी आह्वान किया कि वे दिव्यांगजनों को रोजगार में प्राथमिकता दें और समावेशी विकास का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के जीवन को आसान और सम्मानजनक बनाने के लिए भविष्य में भी अनेक योजनाएँ लेकर आएगी।

दिव्यांगजनों को मिली यह सहायता- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रतीक रूप से जिले के 105 से अधिक दिव्यांगजनों को बैटरीयुक्त ट्रायसाइकिलें निशुल्क प्रदान कीं। इसके साथ ही जिला प्रशासन, इंदौर द्वारा दिव्यांगजनों की निजी क्षेत्र में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांग रोजगार पोर्टल की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से अब तक 500 से अधिक दिव्यांगजनों को निजी इकाइयों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

निवेशकों को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को हम 'विकसित मध्य प्रदेश' से साकार करेंगे। राज्य में वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के बाद अब विभिन्न सेक्टर पर आधारित कॉनक्लेव का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आईटी और संबंधित सेक्टर पर आधारित टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव- 2025 का केवल निवेश का मंच नहीं है, बल्कि एक विचार-मंथन नीति-निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉनक्लेव के दौरान विभिन्न उद्योपतियों/निवेशकों से वन-ऑन -वन चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की विकास की यात्रा सतत जारी रहेगी। हम निवेशकों के विश्वास को मजबूती देंगे, नई नीतियाँ लागू करेंगे, आधारभूत संरचना को और सशक्त करेंगे। प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए हम संकल्पित है। उन्होंने कहा कि नवीन जीसीसी नीति 2025, सेमीकंडक्टर नीति 2025, एवीजीसी एक्सआर नीति 2025 और ड्रोन प्रोत्साहन और उपयोग नीति के द्वारा इन क्षेत्रों में निवेशकों को आवश्यक मदद प्रदान करने के प्रावधान है। आज नीतियों के गाइडलाइंस भी जारी की गई है। तकनीकी दक्षता, सुशासन और निवेशकों को एकीकृत सुविधा देने के लिए नए डिजिटल पोर्टल भी लॉन्च लिए गए हैं।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा की

उज्जैन । कलेक्टर श्री रोशन सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने पंचक्रोशी यात्रा सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर सभी को शुभकामनाएं दी। सामाजिक स्तर पर आयोजनों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों एवं ड्यूटी कर आयोजनों को सफल बनाने वाले आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,पंचायत सचिव एवं पटवारियों का सम्मान करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने एनएफएसए, 2013 अंतर्गत ई केवाईसी कार्य करने के लिए दुकान वार ,पंचायत स्तर पर लक्ष्यानुसार कार्य करवाएं। जिन दुकानों पर ई केवाईसी कार्य लक्ष्य अनुसार नहीं हुआ है, उन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए समग्र ई केवाईसी लिंकिंग के कार्य की भी समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि नागरिक सेवा प्रदाता एजेंसियों एमपी ऑनलाइन, सीएससी कियोस्क पर जाकर आधार और समग्र आईडी देकर ई-केवायसी करा सकते हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए की समग्र ई केवाईसी लिंकिंग का कार्य पंचायत और वार्ड स्तर पर शिविर लगाकर किया जाए। साथ ही कार्य लक्ष्यानुसर पूर्ण करने डोर टू डोर एक्टिविटी को भी मजबूत किया जाए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन,समाधान ऑनलाइन और समयावधि पत्रकों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए की सभी विभाग नोन अटेंडेड शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। शिकायतों के नोन अटेंडेड रहने पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसी के साथ सभी विभाग अपनी ग्रेडिंग बढ़ाने पर विशेष ध्यान दें। सीमांकन ,नामांतरण संबंधी शिकायतों पर सभी तहसीलदार और एसडीएम विशेष ध्यान देकर निराकरण करें।

बैठक में सीएमएचओ डॉ अशोक पटेल को कलेक्टर श्री सिंह ने 2 दिवस के अंदर विगत 1 माह का एमएमआर, आईएमआर और संस्थागत प्रसव के आंकड़े प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही इन्हें कम करने की कार्ययोजना बनाकर देने के निर्देश भी दिए।

बैठक में उपार्जन की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने पौधारोपण के कार्य पर विशेष ध्यान देकर ऐसी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए जिससे पौधारोपण के पश्चात पौधे मुर्झाए नहीं।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में भू जल स्तर बढ़ाने पर विशेष कार्य करने के निर्देश दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान में जन भागीदारी को बढ़ाकर किए जा रहे कार्यों की संपूर्णता के बाद रख रखाव के लिए जनभागीदारी अत्यधिक जरूरी है। इसके लिए अभियान में जन भागीदारी बढ़ाकर अभियान में किए जा रहे कार्यों को स्थायित्व प्रदान करें।

पंचकोशी यात्रा में शिवरथ का नगर प्रवेश

माटीकला बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष व अन्य अतिथियों द्वारा विधिवत् पूजन-अर्चन उपरांत

उज्जैन। संपूर्ण भारत वर्ष के मानवाकार मानचित्र के मध्य भाग में विराजित मध्यप्रदेश एवं उसके भी मध्य नाभिस्थान में स्थित भूत भावन भगवान महाकालेश्वर की यह अवंतिका नगरी जिसे विश्व में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। जिसे अमृत्स्य नाभि कहा गया हैं। जानकारी देते हुए शिवरथ संस्थापक श्री अशोक प्रजापत ने बताया कि उज्जैन ज्योतिषीय गणना का सर्वोत्तम स्थान हैं। स्कन्द पुराण का एक संपूर्ण खण्ड़ अवंतिका खण्ड़ के नाम से विख्यात है एवं अवंतिका की गौरवमयी गाथा से भरा है, जिसमें अवंति क्षेत्र में प्राचीन काल से चली आ रही अनेकानेक यात्राओं का वर्णन है, जिसमें कई यात्राएं तो समाप्त प्रायः हो चुकी है तथा कुछ यात्राओं में से पंचेशानी यात्रा या पंचक्रोशी यात्रा अपने प्राचीन वैभव को समृद्ध कर रही है। नेमीशारणय एवं पचक्रोशी यात्रा प्राचीनकाल से आज तक अनवरत चल रही है। पुराणों मे कहा गया है पदे पदे या परिपूजकेभ्यः सद्यो श्वमेघादि फलंददाति।

समस्त पाप क्षय हेतु भुतां प्रदशिणाते परितः करोमि।।

अर्थात जब देवपूजा क्रम की पूर्ति के लिए परिक्रमा करता हैं तो वह एक-एक पग अश्वमेद्य यज्ञ करने का फल प्राप्त करता है तथा अपने संपूर्ण पापों को समूल नष्ट करता हुआ शिव सानिध्य प्राप्त करता है। यह यात्रा 118 किमी कि है।जो अवंतिका नगरी के चारो द्वारो पर शिव के आराधना के साथ-साथ भगवान महाकालेश्वर का अर्चन विधान परिपूर्ण कर साधक को अपार संतुष्टी प्राप्त होती हैं।

डॉ. सत्येंद्र सलूजा ने किया डेंटल प्रीमियर लीग का समापन

उज्जैन। इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा डेंटल प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया, जिसमें सभी दंत चिकित्सक शामिल हुए। कार्यक्रम कार्यक्रम के पहले दिन आईडीए और आईएमए का फ्रेंडली मैच हुआ। मैच में पुलवामा अटैक में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई तथा आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निंदा की गई। कार्यक्रम में आईडीए अध्यक्ष डॉ. इमित पॉल सलूजा, डॉ. नितिन जैन, डॉ. अंकित बाबर, डॉ. सौरभ भट्ट, डॉ. नमीता अग्रवाल, डॉ. अपूर्व धारीवाल।

संकुल में गूंजे नौशाद और एस डी बर्मन के नगमें

उज्जैन। छोड़ दो आंचल, गुनगुना रहे हैं भंवरे,तेरे हुस्न की, हुस्ने जाना इधर आ, रात का समां झूमे चंद्रमा,मेघा छाये आधी रात, जैसे मधुर और सुरीले नगमों से संकुल गूंज उह्ठा।अवसर था स्वरांजली गीतों की द्वारा आयोजित एक संगीत संध्या का। संस्था अध्यक्ष राजेश जोशी ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कलावती यादव अध्यक्ष नगर निगम उज्जैन तथा अध्यक्ष संजय अग्रवाल नगर भाजपा अध्यक्ष थे। कार्यक्रम का संचालन नितिन पोल, वर्षा कमलाकर और मंगेश जोशी ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका थी श्रीमती सुप्रिया बोथरा और श्रीमती ममता शर्मा। इस अवसर पर राजेश जोशी,राधा मेहता, लखन जागीरदार, अनिता जोशी,वंदना दुबे,डा नमिता शिर्के,विकास सहस्त्रबुद्धे, माधुरी मेहता,बी एस कुलकर्णी,भारती कुलकर्णी, देवेन्द्र दुबे, अनुपमा दुबे, ख्वाहिश दुबे, प्रियंका पांडे, संजय गंधें, माधवी जोशी, राजेश सोहनी,प्रेरणा

अब महाकाल दर्शन करने आने वाले भक्त अष्टविनायक के दर्शन का लाभ भी ले सकेंगे

पांच दिवसीय श्री अष्टविनायक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्री गणेश महायज्ञ का आयोजन आज से

उज्जैन। अब महाकाल दर्शन करने आने वाले भक्तों अष्टविनायक के दर्शन का लाभ भी ले सकेंगे। इसके लिए 30 अप्रैल से 5 मई तक श्री अष्ट विनायक मंदिर सांवराखेड़ी पर होगा भव्य आयोजन होगा। पांच दिवसीय श्री अष्टविनायक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्री गणेश महायज्ञ का आयोजन आज से शुरू हो जाएगा। यह जानकारी अष्ट विनायक मंदिर के संस्थापक पंडित हेमंत व्यास, पंडित संजय व्यास और पंडित शैलेन्द्र व्यास ने पत्रकारवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि उज्जैन में इस धाम की परिकल्पना के केंद्र में महाराष्ट्र के पुणे अहमदनगर और रायसेन जिले के अष्टविनायक हैं। उसी के अनुरूप उज्जैन के अष्ट विनायक मंदिर में भगवान गणेश के आठ स्वरूपों को भक्तों और दर्शनार्थियों के कल्याण के निमित्त स्थापित करने का प्रयास किया गया है।

पंडित हेमंत व्यास ने बताया कि सात एकड़ के विशाल परिसर में अष्ट विनायक धाम की परिकल्पना साकार होने लगी है। परिसर में भारतीय परंपरा मदिर स्थापत्यकला के अनुरूप निर्मित देवालय में मुख्य शिखर के अतिरिक्त आठ उप शिखरों का निर्माण कर अष्ट विनायक के मंगल विग्रह स्थापित किए गए हैं। मध्य में श्री की विशाल और सुदंर प्रतिम है, जिनके साथ देवी ऋद्धि -सिद्धी भी विराजमान है।

महाराष्ट्र के अष्ट विनायक की स्थापना उज्जैन में सकारात्मक संकेत के बाद – पंडित हेमंत व्यास ने बताया कि महाराष्ट्र के अष्ट विनायक मंदिर की प्रतिकृति का निर्माण करने से पहले वे अष्ट विनायक को मनाने, उनसे अनुमति लेने सभी मंदिरों में गए थे। वहां के पुजारियों और धर्म से जुड़े अनेक लोगों से चर्चा और खोजबीन के बाद जब उन्हें उज्जैन में अष्ट विनायक धाम की स्थापना के सकारात्मक संकेत मिले उसके बाद ही उन्होंने यहां अष्ट विनायक धाम की स्थापना का काम सात साल पहले शुरू कराया था, जो अब मूर्त रूप लेने जा रहा है।

मुख्यमंत्री रहेंगे 5 मई को मुख्य अतिथि, संतों का मिलेगा आशीर्वचन – पंडित हेमंत व्यास ने बताया कि 30 अप्रैल से श्री अष्ट विनायक प्राण प्रतिष्ठा एं श्री गणेश महायज्ञ का आयोजन शुरू हो जाएगा।

राष्ट्र एकता का संदेश देने के लिए राष्ट्र गान से प्रारंभ होगी भगवान श्री चित्रगुप्त जनदर्शन यात्रा

उज्जैन । भगवान और महापुरुष राष्ट्र के है और वर्तमान दौर में देश को मजबूत करने का प्रयास होना चाहिए । जातपात से पहले राष्ट्र सर्वोपरि है इसी भाव से समस्त जीवों के कर्मों का लेखा जोखा रखने वाले भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्य दिवस वैशाख शुक्ल गंगा सप्तमी रविवार दिनांक 4 मई 2025 को निकलने वाली भगवान श्री चित्रगुप्त जनदर्शन यात्रा में हिंदू एकता व राष्ट्र की अखंडता का संदेश देने के लिए राष्ट्रगान से यात्रा की शुरुआत होगी । यात्रा शाम 5 बजे ग्रांड होटल भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लालबहादुर शास्त्री उद्यान से निकलेगी जो नगर के विभिन्न मार्गो से होकर श्री चित्रगुप्त घाट छोटे पुल दानी गेट पर समाप्त होगी तत्पश्चात भगवान श्री चित्रगुप्त एवं मोक्षदायिनी मां शिप्रा की आरती के बाद कुटुम्ब रसोई रहेगी । जिसमे भगवान चित्रगुप्त रथ में सवार होकर प्रजा को दर्शन देते हुए निकलेंगे । यात्रा में आगे आगे भारत माता और राम रथ भी चलेगा ।आयोजन को सफल बनाने के लिए नारी शक्ति जनदर्शन यात्रा एवं कुटुंब रसोई का घर घर जाकर आमंत्रण दे रही हैं । कार्यक्रम संयोजक दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि समस्त प्राणियों के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्य दिवस के अवसर पर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 4 मई 2025 को निरंतर 8 वें वर्ष भगवान श्री चित्रगुप्त जनदर्शन यात्रा निकाली जा रही है । यात्रा में सभी समाज के लोग सहभागी बने इसके लिए सबसे आगे भारत माता के साथ राम रथ चलेगा । भगवान श्री चित्रगुप्त जनता को दर्शन देने नगर भ्रमण करेंगे । श्रीवास्तव ने कहा कि जाति से बढ़कर राष्ट्र होता है हम सब भारत माता की आन बान शान के लिए जी रहे हैं भारत की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण भी दे सकते है ।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com